

Departmental Activities of Anthropology, (Session 2023-24)

Freshers Welcome Ceremony 2023-2024

Freshers' Welcome Ceremony 2023-2024 was organized by the students of Anthropology Department of Rajiv Gandhi Government Post Graduate College, Ambikapur to welcome the new students taking admission in Anthropology subject. In this ceremony, Head of the Department of Anthropology, Mrs Jyoti Lakra and guest professor Rashmi Ingle, Mohd. Tafseer Alam, Shubham Kumar Poddar were present. In his address, guest professor Shubham Kumar Poddar gave information about the emerging dimensions of the subject of anthropology and also warmly welcomed the new students. Guest Professor Mohd. Tafseer Alam Rashmi Ingle told the new students about the government and non-government work areas of the subject of Anthropology, and also welcome and greeted the new students. The Head of the Department congratulated the newly admitted students for their entry into the Anthropology family with wishes for a bright future and appreciated the organization of the Freshers' Welcome Ceremony for the senior students



Jyoti Lakra
Smt. Jyoti Lakra
HOD
Department of Anthropology.

Rashmi Ingle
प्राचार्य
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अंबिकापुर
जिला-ससुरा (छ.ग.)

World Indigenous Day

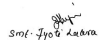
The program of World Indigenous Day was celebrated with great enthusiasm on August 2023 by the Department of Anthropology of Government Rajiv Gandhi Post Graduate College, the leading college of Surguja division. The beauty and centerpiece of the program was the traditional dishes of Surguja region prepared by the students of Anthropology. As the chief guest in the program, Principal of the college and Additional Director, Surguja Division, Dr. Rizwanullah described the tribal society as the creator of human civilization and development. He also said that we have to learn from the tribal society that our culture and tradition should be preserved. How is discharge and conservation done?


Professor and Head of the Department of Geography, Dr. R.K. Jaiswal also talked about keeping in mind their needs and traditions while making plans for the tribal society, so that the plans will be successful. Professor and Head of the Department of Sociology, Dr. Pratibha Singh also said that in the present times, beyond the modernity and luxurious life, how these natives even today remain the charioteers of their culture and tradition by establishing harmony and adaptation in their natural environment.

Mrs. Jyoti Lakra, Head of the Department of Anthropology, also talked about including the children and youth of the tribal community in the mainstream of development and preserving the traditions of their culture through such programs for the coming generation.

In the program, Anthropology students Miss Shruti Gupta, Miss Ruchika Ekka, Miss. Kajal expressed her views. In the program Ms. Aanchal Soni, Ms. Shruti Gupta, Ms. Ruchika Ekka, Ms. Pratibha, Ms. Riya Paswan, Ms. Tulsi, Ms. Madhumandal, Ms. Raveena, Ms. Kajal presented dishes like Idhal Sabji, Sarson Saag Ki Sukti, Mango Chutney, Usna Bhaat, Khurmi, Bara etc. among the traditional dishes.

The program was conducted by Dr. Rashmi Ingle, guest lecturer of Anthropology and vote of thanks was given by guest lecturer Mohd. Tafsheer Alam. Guest lecturer Shubham Poddar and anthropology students had special contribution in the presentation and preparation of the program. Professor and Head of the Department of Psychology, Dr. Trupti Biswas and Professor of Hindi Department, Dr. Vijayalakshmi Shastri ji participated in the program.


Mrs. Jyoti Lakra
HOD
Department of Anthropology


प्रचार्य
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अंबिकापुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)



Smt. Jyoti Labra
 HOD
 Department of Anthropol

राजीव गांधी शायकीय स्वातकोलर
 महाविद्यालय अंबिकापुर
 जिला-सरगुजा (छ.ग.)

मानव सभ्यता व विकास का निर्माता आदिवासी समाज

हरिमूमि न्यूज ❧ अम्बिकापुर

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पीजी कॉलेज के मानव शास्त्र विभाग द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य


■ आदिवासी समाज से सीखना चाहिए संस्कृति व परंपरा का निर्वहन


एवं अपर संचालक डॉ. रिजवान उल्लाह ने आदिवासी समाज को मानव सभ्यता एवं विकास के निर्माता के रूप में बताया। उन्होंने कहा की आदिवासी समाज से

हमें सीखना होगा की अपनी संस्कृति एवं परंपरा का निर्वहन व संरक्षण कैसे किया जाता है। भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आरके जायसवाल ने आदिवासी समाज हेतु योजना निर्माण में उनकी आवश्यकताओं एवं परंपरा को ध्यान में रखने की बात कही। समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में आधुनिकता एवं विलासिता की जीवन से परे,



मूलनिवासी किस प्रकार से अपनी प्राकृतिक परिवेश में आज भी सामंजस्य एवं अनुकूलन स्थापित कर अपनी संस्कृति एवं परंपरा के सारथी बने हुए हैं। मानवशास्त्र विभागाध्यक्ष श्रीमती ज्योति लकड़ा ने आदिवासी समाज के बच्चों एवं युवाओं को विकास की मुख्यधारा में शामिल होकर, अपनी संस्कृति की परंपराओं को आने वाली पीढ़ी है ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से संरक्षित करने की बात कही। कार्यक्रम में मानवशास्त्र के विद्यार्थियों कुमारी श्रुति गुप्ता, कुमारी रुचिका एक्का, कुमारी काजल द्वारा अपने विचार व्यक्त किए।


Smt. Jyoti Lakra
HOD
Department of Anthropology.


राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

मूलनिवासी दिवस पर पीजी कॉलेज में व्याख्यान एवं स्थानीय लोक पारंपरिक व्यंजनों का स्टॉल लगा की गई कार्यक्रम की प्रस्तुति

आदिवासी समाज मानव सभ्यता एवं विकास की है निर्माता - रिजवानुल्ला



अंबिकापुर आदित्य समय व्यूरो
सरगुजा संभाग के अग्रणी महाविद्यालय में से एक शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मानवशास्त्र विभाग द्वारा 9 अगस्त 2023 को विश्व मूल निवासी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान एवं स्थानीय लोक पारंपरिक व्यंजनों की प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य केंद्र मानवशास्त्र के छात्र छात्राओं द्वारा

निर्मित सरगुजा अंचल की पारंपरिक व्यंजन रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य एवम अपर संचालक सरगुजा संभाग डॉ रिजवानुल्लाह ने आदिवासी समाज को मानव सभ्यता एवं विकास के निर्माता के रूप में बताया साथ ही उन्होंने कहा की आदिवासी समाज से हमें यह सीखना होगा की अपनी संस्कृति व परंपरा का निर्वहन तथा संरक्षण कैसे किया जाता है। भूगोल विभाग के प्राध्यापक एवं

विभागाध्यक्ष डॉ आर. के. जायसवाल जी ने भी आदिवासी समाज हेतु योजना निर्माण में उनकी आवश्यकताओं एवम परंपरा को ध्यान में रखने की बात कही, ताकि योजनाएं सफल हों सके। समाजशास्त्र विभाग की प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉक्टर प्रतिभा सिंह जी ने भी कहा की वर्तमान समय में आधुनिकता एवं विलासिता की जीवन से परे, ये मूलनिवासी किस प्रकार से अपनी प्राकृतिक परिवेश में आज भी सामंजस्य

एवं अनुकूलन स्थापित कर अपनी संस्कृति एवं परंपरा के सारथी बने हुए हैं। मानवशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती ज्योति लकड़ा जी ने भी आदिवासी समाज के बच्चों एवं युवकों को विकास की मुख्य धारा में सम्मिलित होकर, अपनी संस्कृति की परंपराओं को आने वाली पीढ़ी को दृष्टिगत रखते हुए कार्य करें रहे तथा ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से संरक्षित करने की बात कही।

कार्यक्रम का संचालन, मानवशास्त्र की अतिथि व्याख्याता डॉ रश्मि इंगले द्वारा किया गया एवम आभार प्रदर्शन अतिथि व्याख्याता मो. तफशीर आलम द्वारा किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तुति एवं तैयारी में अतिथि व्याख्याता शुभम् पोद्दार एवं मानवशास्त्र के छात्र छात्राओं का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में मनोविज्ञान की प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. तुषि विश्वास एवं हिंदी विभाग की प्राध्यापक डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री उपस्थित रहे।

युवा किसान अभिषेक मिलेट मिशन के तहत कोदो, कुटकी की कृषि से हो रहे समृद्ध

Smt. Jyoti Kabra
HOD
Department of Anthropology.

Rajeev
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग.)

प्रति,
प्राचार्य
राजीवगांधी शास्त्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (द्वारा).

विषय: मानवशास्त्र विभाग द्वारा विश्व मूल विचारों दिवस
पर कार्यक्रम आयोजित करने का वक्त।

महोदय,
विषयावर्तित लेख है कि मानव शास्त्र विभाग
के अम-पुर-सी के दत्त-दानाश विश्व आदिवासी दिवस के
उपलक्ष्य में विभागीय स्तर पर व्याख्यान एवं पारंपरिक
संजन की प्रस्तुति का कार्यक्रम दिनांक 10/08/23
को आयोजित करना चाहते हैं।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि कार्यक्रम आयोजित
करने की अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

संलग्न: कार्यक्रम का विवरण।

11/8/23
8/8/23

विभागाध्यक्ष
(मानव शास्त्र
विभाग)

मानवशास्त्र विभाग

विश्व मुक्तवार्त्ता दिवस पर व्याख्यान एवं
पारंपारिक समंजन की प्रस्तुती का कार्यक्रम

कार्यक्रम का विवरण

समय

12.30 p.m.

कार्यक्रम

स्वागत उद्बोधन

डॉ. शक्ति शंकर

प्राचार्य उद्बोधन

डॉ. शिववान उमला

विशेष वक्ता

डॉ. आर-पी-सिंह

विद्यार्थियों द्वारा व्याख्यान
एवं विचार विमर्श

-

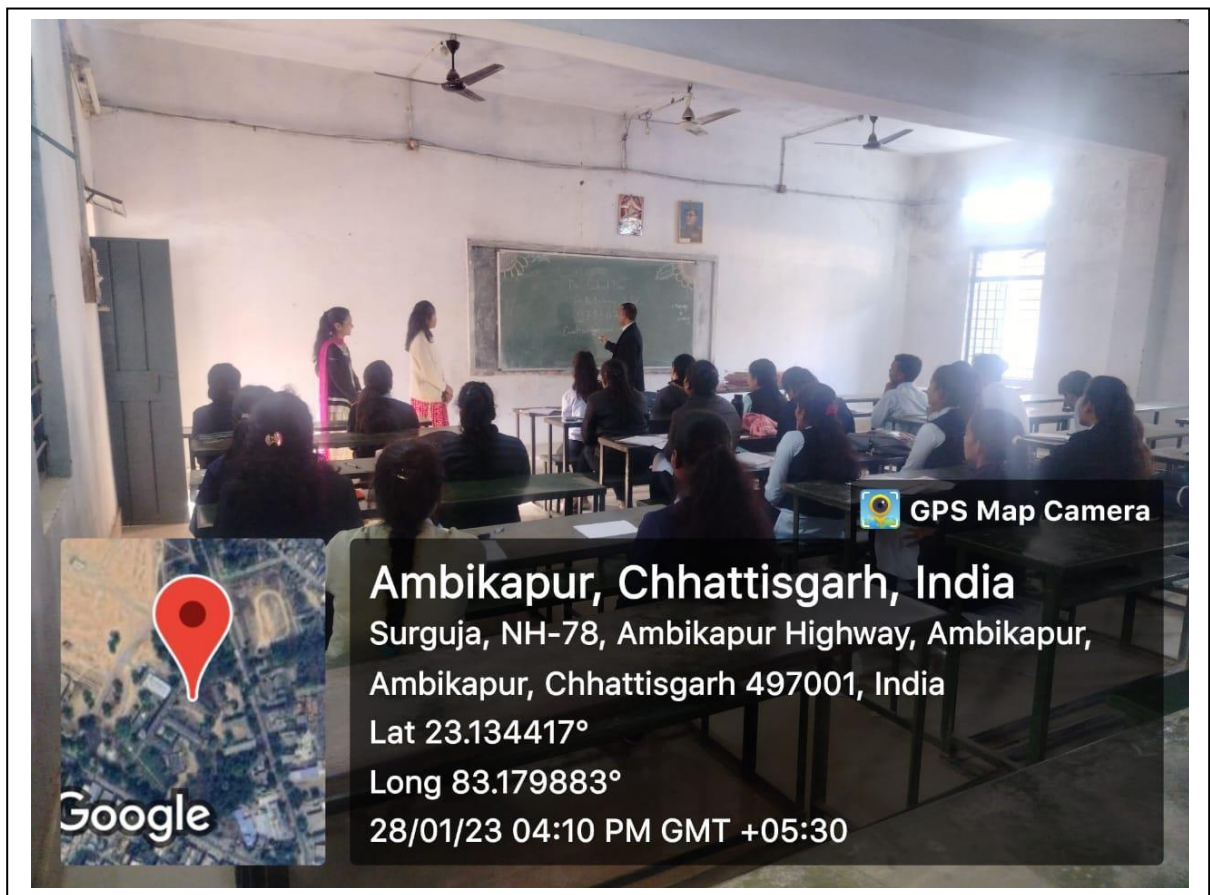
पारंपारिक समंजन की
प्रस्तुती

-


विभागाध्यक्ष

Lecture

Important information related to the subject was given to the students of M.Sc. first and third semester of Anthropology by Dr. Subal Das, lecturer of Anthropology subject of Guru Ghasidas Central University, Bilaspur, in the Department of Anthropology at Rajiv Gandhi Government Post Graduate College, Ambikapur. He also told about employment opportunities in the field of anthropology. Dr Subal Das encouraged and guided the students for research paper writing. The topic of dissertation of the third semester students in the upcoming fourth semester was also discussed with the third semester students.



Dr. Subal Das
Smt. Jyoti Kumbhar
HOD
Department of Anthropology


Dr. Subal Das
प्रचार्य
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अंबिकापुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

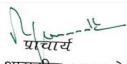
Departmental Activities of Anthropology, (Session 2022-23)

Freshers Welcome Ceremony 2022-2023

Freshers' Welcome Ceremony 2022-2023 was organized by the students of Anthropology Department of Rajiv Gandhi Government Post Graduate College, Ambikapur to welcome the new students taking admission in Anthropology subject. In this ceremony, Head of the Department of Anthropology, Mrs. Jyoti Lakra and guest professor Rashmi Ingle, Mohd. Tafseer Alam was present. Guest Professor Mohd. Tafseer Alam Pathak gave information about the subject of Anthropology and welcomed the new students. Guest professor Rashmi Ingle told the new students about the government and non-government work areas of the subject of Anthropology, and also welcome and greeted the new students. The Head of the Department wished the newly admitted students a bright future and appreciated the organization of the Freshers' Welcome Ceremony for the senior students. On this occasion, students presented songs, music, dance and other programs. Through the program, new and old students introduced mutual understanding, brotherhood and affection to each other.





Smt. Jyoti Lakra
HOD
Department of Anthropology.



प्रो. राशमी इंग्ले
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अंबिकापुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ISF

A lecture was organized on 05/05/2022 under ISF by the Department of Anthropology in the Department of Anthropology at Rajiv Gandhi Government Post Graduate College, Ambikapur on the subject of 'Sustainable Development and Tribal Society' in which Dr Maghavendra Tiwari, lecturer of Law Department, Dr. Garg, lecturer of History Department, Dr Rose lily Bara, lecturer of Politics Department Mrs. Jyoti Lakra, Head of Department of Anthropology and guest professor Rashmi Ingle, Mohd. Tafseer Alam was present. All the lecturers expressed their views on the need for sustainable development for the tribal society and talked about including the tribal society in the mainstream of development.




Smt. Jyoti Lakra
HOD
Department of Anthropology.


प्राचार्य
रा.गां.शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा

Department of Anthropology

Educational Tour

The Department of Anthropology took the postgraduate students of anthropology on an educational tour to Deepadih, a village in Balrampur. Deepadih is renowned for its ancient temples. The archaeological remains found here, dating from the 8th to the 14th century, are preserved by the Chhattisgarh government. The site is located on the Ambikapur-Kusmi road, approximately 75 kilometers away from Ambikapur.

At 8:30 in the morning, the Head of the Department of Anthropology, along with the faculty, took the students towards the educational site Deepadih. Upon arrival at 11:30, the teachers and students explored the archaeological site. Subsequently, Dr Rashmi Ingle, a visiting lecturer in anthropology, provided students with information about the archaeological history and significance of Deepadih. Furthermore, discussions were held with local people to understand their beliefs and perspectives about this archaeological site. Adjacent to the main entrance of the site, there is a museum where remnants of temples and sculptures of Deepadih are preserved. The survey of the temples of Deepadih was conducted in 1987, and the excavation of the temples began in 1989.

The site includes notable structures such as the Oraon Tola Shiva Temple, Ram-Lakshman entrance gate, a unique sculpture of Mahishasura Mardini, a Panchayatan-style Shiva temple, and artistic sculptures of Goddess Lakshmi, Uma-Maheshwar in embrace, Lord Vishnu, Kubera, and Kartikeya. These artistic relics represent the archaeological heritage of the site. Archaeologists have categorized the temples into four groups: Ram-Lakshman, Birsa Tila, Rani Pokhar Temple, and Oraon Tola Temple.

After touring the archaeological site, the group had lunch at 2:30 and then departed for Ambikapur at 4:30. The educational tour of Deepadih provided the students with a wealth of knowledge, and it was observed that the tour sparked enthusiasm and joy among them.





प्रति,

प्राचार्य
राजीव गांधी शासकीय
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर
जिला-सरगुजा(छ.ग.)

विषय :- मानवविज्ञान के छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक भ्रमण की अनुमति बाबत।

विषयान्तर्गत निवेदन है, कि एम.एससी. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर मानवविज्ञान विषय के समस्त छात्र-छात्राओं को अपने पाठ्यक्रम के प्रायोगिक प्रश्नपत्र के अंतर्गत पुरातात्विक स्थल का शैक्षणिक भ्रमण करना है। जिसके लिये बलरामपुर जिले के पुरातात्विक स्थल डीपाडीह का चयन किया गया है। अतः आपसे निवेदन है कि छात्र-छात्राओं को दिनांक 11/12/2022 को शैक्षणिक भ्रमण हेतु ले जाने की अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

शैक्षणिक भ्रमण का विवरण संलग्न है।

विभागाध्यक्ष
मानवविज्ञान विभाग
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अंबिकापुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

विभाग के-श्रीमानों से
स्नातक की शैक्षणिक भ्रमण
पर जाने हेतु अनुमति प्रदान

S.S. Prasad

08/12/22

शैक्षणिक भ्रमण की रूपरेखा
पुरातात्विक स्थल डीपाडीह

स्थल : पुरातात्विक स्थल डीपाडीह

दिनांक : 11/12/2022

समय : 8:00 -4:00

शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम की रूपरेखा	एमएस.सी. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर मानवविज्ञान विषय के समस्त छात्र-छात्राएँ	8:00AM -4:00PM
शैक्षणिक भ्रमण हेतु अंबिकापुर से प्रस्थान	-	8:00AM
पुरातात्विक स्थल संबंधि व्याख्यान	-	11:00AM
छायाप्रति का संचयन	-	12:00PM
भोजन अंतराल	-	1:00PM
ग्रामीणों से चर्चा एवं स्थल संबंधि जानकारी	-	2:00PM
अंबिकापुर हेतु प्रस्थान	-	4:00PM

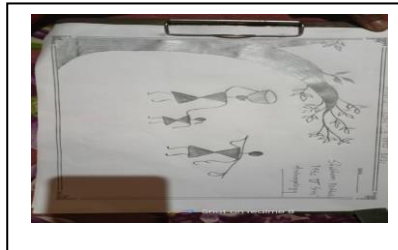
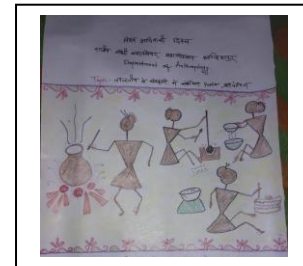
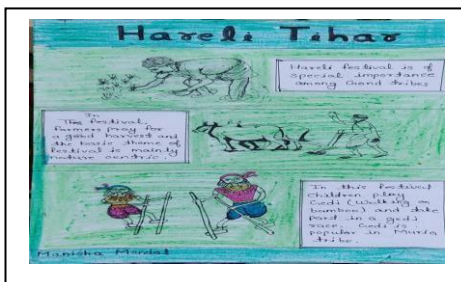

विभागाध्यक्ष 8/12/22

मानवविज्ञान विभाग
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अंबिकापुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

Departmental Activities of Anthropology, (Session2021-22)

Online Painting competition organized on World Indigenous Day

During the Corona period, at 9/08/2020 online painting competition on World Indigenous Day was organized by the students of M.Sc. first and third semester of Anthropology in the Department of Anthropology at Rajiv Gandhi Government Post Graduate College, Ambikapur. On this occasion, the students presented a very beautiful pictorial presentation of the lifestyle of the tribal society through online posts, depicting their culture, food, dance, musical instruments and daily routine.



Smt. Jyoti Lakra
HOD
Department of Anthropology.

प्राचार्य
रा.गां.शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला-सरगजा

Departmental Activities of Anthropology, (Session 2020-21)

'Ek Bhaarat- shreshth'

A pictorial presentation 22/01/2020 on the language, dialect, festivals, culture, cuisine etc. of Gujarat on the topic 'Ek Bharat - Shrestha' in Rajiv Gandhi Government Post Graduate College, Ambikapur by the students of M.Sc. 1st and 3rd semester of Anthropology Department on the college notice board. And participation was displayed, which was decorated very beautifully on the information board and the center point of the collage was the fragrance of Gujarat.



Smt. Jyoti Lakra
HOD
Department of Anthropology.

(Anam3)
प्राचार्य
रा.गां.शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा

Participation of students of Anthropology in college exhibition

In the college exhibition organized at Rajiv Gandhi Government Post Graduate College, Ambikapur. M.Sc. first and third semester students of Anthropology Department presented the model of humans living in caves in primitive times and the Maheshpur archaeological site. Maheshpur is one of the historical places of Chhattisgarh, which is famous for the Mauryan period theater and inscriptions. In the area on the banks of Ren River adjacent to Ramgarh, there was an unprecedented flourishing of art culture between the 8th century AD and the 13th century AD. The ruins of architecture of this period are spread till Maheshpur and Kalacha-Devgarh.



Smt. Jyoti Lakha
HOD
Department of Anthropology

(1)panne3


प्राचार्य
रा.गां.शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला-सरगजा

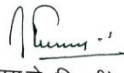
Departmental Activities of Anthropology, (Session2019-20)

Museum Visit

The Department of Anthropology of Rajiv Gandhi Government Post Graduate College, Ambikapur took the students of Anthropology subject for a museum visit to the District Archaeological Museum, Ambikapur on 15/04/2020. Along with the anthropology students, anthropology teachers Rashmi Ingle and Nivedita Pathak gave information to the students about the role of the museum in the subject of Anthropology and about the local tribes. This museum has 20 ancient statues from Maheshpur, Harratola, Deepadih and Surguja areas. Surguja's heritage and tribal artefacts were present there. Anthropology students sat in the library of the museum and took informative information from books and magazines.

This museum was constructed in 2013. In this museum, the folk culture of Surguja, the lifestyle of Rajwar, Pando, Korwa tribes, their customs and culture have been displayed in the form of houses. These houses are similar to the ones built by these tribes in their areas. In the Archaeological Museum, eight galleries have been created for people to view the sculptures of ancient times. This museum visit was informative and encouraging for the students of anthropology.


Smt. Jyoti Kabra
HOD
Department of Anthropology.


(डॉ.एस.के. त्रिपाठी)
प्राचार्य
रा.गां.शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा



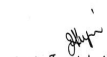
Smt. Jyoti Labra
Smt. Jyoti Labra
HOD
Department of Anthropology.


(Dr. S.K. Tripathi)
(डॉ.एस.के. त्रिपाठी)
प्राचार्य
रा.गां.शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा

Participation of Students of Anthropology

M.Sc. first semester students of the Department of Anthropology of Rajiv Gandhi Government Post Graduate College, Ambikapur, under social outreach, went to the Anganwadi center of village Ajirma of Surguja district and took care of the health of the children there in which included their weight, height and diet, and also made the rural people aware about the right lifestyle and nutrition for good health.





Smt. Jyoti Labra
HOD
Department of Anthropology.



(डॉ. एस.के. त्रिपाठी)
प्राचार्य
रा.गं.शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा

Farewell Ceremony 2019-2020

A farewell ceremony 2019-2020 was organized by the students of Anthropology Department of Rajiv Gandhi Government Post Graduate College, Ambikapur for the final year postgraduate students in Anthropology. In this ceremony, Head of the Department of Anthropology, Mrs. Jyoti Lakra and guest professor Rashmi Ingle, Mohd. Tafseer Alam was present. The function was started by guest professor Mohd. Tafseer Alam, who informed the final year post graduate students about the scope of anthropology and also told them about employment opportunities in anthropology and wished them a bright future. After this, guest professor Rashmi Ingle appreciated the organization of the farewell ceremony and encouraged and guided the final year postgraduate students for further studies. In the end, the Head of the Department, Mrs. Jyoti Lakra, wished the final year postgraduate students for their bright future and said to be ready for any kind of advice and suggestion in future. The Head of the Department appreciated the program presented by songs, music, dance and other pro




Mrs. Jyoti Lakra
HOD
Department of Anthropology.


(डॉ.एस.के. त्रिपाठी)
प्राचार्य
रा.गां.शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा